वार्षिक विवरण – २०२१-२२

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ निरंतर विकास के सोपानों को तय करता हुआ कुल १००८ छात्राओं के नामांकन के साथ आगे बढ़ रहा है। इस सफलता का मूलमंत्र है - जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागरजी महाराज की सतत् प्रेरणा और आशीर्वाद। हमारा उद्देश्य शिक्षा व संस्कारों के साथ-साथ छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है।

शैक्षणिक विशिष्टता

AISSCE परिणाम- १२वीं कक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम के साथ ६९ में से २२ छात्राओं ने ९०% से अधिक और ३१ छात्राओं ने ८०% से अधिक और १६ छात्राओं ने ७०% से अधिक अंक अर्जित किए।

सुश्री रोशनी जैन - (विज्ञान संकाय) ने ९८%, सुश्री प्रज्ञा जैन (वाणिज्य संकाय) ने ९८% और सुश्री सिद्धि जैन (कला संकाय) ने ९५% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

AISSE परिणाम- दसवीं कक्षा की परीक्षा में शत्-प्रतिशत परिणाम के साथ ८० छात्राओं में से १६ ने ९०%से अधिक अंक हासिल किए।

सुश्री आरुषि जैन ने 97% , सुश्री अवनि जैन ने 95.4% सुश्री मौली जैन ने 94.8% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही 29 छात्राओं ने 80% से अधिक, 25 छात्राओं ने 70% से अधिक और 10 छात्राओं ने 60%से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ – विद्यालय परिसर में समय-समय पर विभिन्न पाठ्यसहगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। साप्ताहिक प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अनेकों अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं, जिनके द्वारा उनका शारीरिक , मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। विद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-शालेय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर छात्राएं अपनी प्रतिभा को निखारती हैं।

पुरस्कार वितरण समारोह - वर्षभर में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 'वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह' में विशिष्ट अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाता है। कुशल निर्देशन में संचालित विद्यालयीन प्रशासन और शिक्षकों की कलात्मक, रचनात्मक और ज्ञानात्मक क्षमता के परिणाम स्वरूप ही छात्राओं में कलाओं का विकास हो रहा है।

प्रशिक्षित शिक्षिकाएँ

प्रतिभास्थली उन ६८ प्रतिभासम्पन्न शिक्षकाओं के समूह से गौरवान्वित है जो पूर्ण प्रशिक्षित और अनुभवी होने के साथ-साथ समर्पित होकर अपनी निःशुल्क सेवाएँ प्रदान कर रहीं हैं। आधुनिक परिवेश में आवश्यक तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ हमारे पास शारीरिक शिक्षा, संगीत, नृत्य, योग, कला और शिल्प, पाककला, सिलाई, हथकरघा, बुनाई आदि के अध्ययन हेतु शिक्षकाओं का एक उत्साही समूह है जो प्राचीन और आधुनिक शिक्षण विधियों द्वारा छात्राओं को विभिन्न विषयों में पारंगत कर रहीं हैं।

हमारे पास १५ सहायक कर्मचारी भी हैं जिनमें लिपिक कर्मचारी, चपरासी, चौकीदार, सफाईकर्मी, माली आदि शामिल हैं।

शिक्षिका प्रशिक्षण कार्यक्रम

"शिक्षक भी शिक्षार्थी हैं" इस युक्ति को सार्थक करता हुआ हमारा विद्यालय शिक्षिकाओं के सतत विकास हेतु सदैव प्रयासरत

रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी शिक्षिकाएँ कार्यशालाओं और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर नित नूतन ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

इतिहास सीनियर सेकेन्डरी कार्यशाला – डॉ. अजय ओझा देहरादून

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्रीशिवराज सिंह चौहान का व्याख्यान। प्रतिभास्थली की शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा के तीन उद्देश्य हैं - ज्ञान देना, कौशल सिखाना और चरित्र निर्माण करना और आपके द्वारा यही शिक्षा दी जा रही है इसलिए आपका योगदान सराहनीय है।

छात्रा संवर्धन कार्यक्रम - आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर गुजरात के प्राचार्य महोदय डॉ.हितेश जानी का व्याख्यान

उन्होंने छात्राओं के साथ वार्तालाप करते हुए उनको दैनिक जीवन से जुड़े आयुर्वेदिक रहस्यों और संतुलित जीवन जीने की कला का मार्गदर्शन दिया। कैसे खाएँ , क्या खाएँ , कब खाएँ , कैसे बैठे आदि अनेक विषयों पर उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टि से प्रकाश डाला।

आत्मरक्षा शिविर का आयोजन - ताईकमांडो ब्लैक बेल्ट राष्ट्रीय खिलाड़ी और तलवारबाजी की राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री अमृता वसंतराव मनोरकर द्वारा कक्षा बारहवीं की छात्राओं को आत्म रक्षा के कई हुनर सिखाये गए। जिनको सीखकर छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत हुआ।

अभिभावक-शिक्षक वार्ता (पीटीएम) - ऑनलाइन कक्षाओं के कारण शिक्षिकाओं से दूर रही छात्राओं में वापस आने पर वैचारिक और नैतिक परिवर्तन देखे गए। इस विषय को लेकर अभिभावकों से एक विस्तृत चर्चा के दौरान उन्हें मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया में गुमराह होती उनकी लाड़लियों के प्रति जागरुक किया गया।

विद्यालय कार्य समिति- लोकतन्त्र पद्धति पर आधारित विद्यालय कार्य समिति के चुनावों में सुश्री रिद्धिमा जैन (XII- विज्ञान) को विद्यालय नायिका , सुश्री रूबी जैन (XII- विज्ञान), सुश्री मिति जैन (XI- वाणिज्य), को उपनायिका के रूप में विद्यालय की समस्त कक्षा नायिकाओं द्वारा चुना गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्राचार्या डॉ. सुषमा जैन की अध्यक्षता में कार्यसमिति के सभी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की।

महत्वपूर्ण दिवस - स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, शिक्षक दिवस, गांधी जयंती दिवाली, शरद पूर्णिमा, बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, मकर संक्रांति, होली, महावीर जयंती आदि बहुत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाए गए। इन अवसरों पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ- छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय में अनेक सह शैक्षिक गतिविधियों को आयोजन किया जाता है। प्राणायाम, योग, चित्रकला, हस्तशिल्प, पाककला, नृत्यकला,आदि।

एक दिवसीय भ्रमण - कक्षा VIII की छात्राओं को विषय संवर्धन हेतु कृषि क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। जिसमें उन्होंने फसल उत्पादन के विभिन्न चरणों को सीखा।

कक्षा X की छात्राओं को नर्मदा तट के अवलोकन हेतु ले जाया गया जहाँ उन्होंने मनोरंजन के साथ-साथ अनेक ज्ञानवर्धक बातें बताई गईं। कोरोना के चलते गत दो वर्षों से लंबी यात्रा संभव नहीं हो पायी।

मार्गदर्शन और परामर्श- विद्यालय में छात्राओं के बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु समय-समय पर शैक्षणिक परामर्श के अलावा, उनके नैतिक और आध्यात्मिक विकास हेतु भी परामर्श दिया जाता है।

अविस्मरणीय दिन - इस विद्यालय के प्रेरणास्रोत आचार्य गुरुवर विद्यासागरजी महाराज ससंघ के प्रतिभास्थली प्रवास के दौरान उनके दर्शनार्थ अनेक राजनैतिक विभूतियों का विद्यालय परिसर में आगमन हुआ। जैसे गृहमंत्री अमितशाह जी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंह चौहान, म. प्र. कृषिमंत्री श्री कमल पटेल, म.प्र. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्रीमान मोहम्मद रफीक आदि। इन सभी ने विद्यालय परिसर में संचालित सभी गतिविधियों जैसे-विद्यालय, आयुर्वेद चिकित्सालय , हथकरघा और हस्तशिल्प आदि का अवलोकन किया। इतने बड़े स्तर पर होने वाले सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुये उन्होंने शिक्षिकाओं और छात्राओं को संबोधित किया।

आचार्यश्री के दर्शनार्थ विद्यालय की भूतपूर्व लगभग 250 छात्राएं आयीं, जो वर्तमान में विभिन्न सरकारी पदों पर प्रतिष्ठित हैं। आचार्य श्री ने उनको कुछ प्रेरणात्मक सूत्र दिये -

शिक्षक बनना सबसे सराहनीय कार्य है।
संग्रह नहीं वितरण होना चाहिए।
नौकरी नहीं व्यवसाय करना चाहिए।
चिकित्सक को रोगी के साथ आत्मीय संबंध स्थापित करके चिकित्सा करना चाहिए।
हमारे हाथ नौकरी लेने वाले नहीं देने वाले होना चाहिए।

शैक्षिक कार्यक्रम- इस सत्र के दौरान दो सत्रों में परीक्षाएँ सम्पन्न हुईं जिनमें कक्षा १० वीं और कक्षा १२ वीं की प्रथम सत्र की परीक्षाएँ प्रतिभास्थली केंद्र पर अन्य विद्यालय की निरीक्षक शिक्षिकाओं के निर्देशन में संचालित हुईं। दो मुख्य परीक्षाओं के अतिरिक्त तीन आवधिक परीक्षाएँ , परियोजना कार्य और कक्षा गतिविधियाँ भी सम्पन्न कराईं गईं। कक्षा ९वीं तक के परीक्षा परिणाम मार्च महीने में घोषित किए गए।

विवरण के अंत में, मैं इस संस्था पर बरसने वाले आशीर्वाद के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर और आचार्यश्री जी को नमन करती हूँ। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और बच्चों के चरित्र निर्माण के अपने प्रयास में माता-पिता के सहयोग और उनके रचनात्मक सुझावों का भी समावेश करते हैं। सबका सहयोग और हमारे प्रयोग से संचालित यह विद्यालय सतत विकासोन्मुखी बना रहे यही हमारा उद्देश्य है।

धन्यवाद

Dr. Sushma Jain
Principal

Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001